

दस्तक चाणक्य

वर्ष : 06 अंक : 37

(हिन्दी साप्ताहिक)

लखनऊ, सोमवार 21 सितम्बर, 2026

मूल्य : 1.00 रुपया

पृष्ठ : 8

लिपिक संवर्ग सीधी भर्ती 912 चयनित अभ्यर्थियों को मिले नियुक्ति पत्र

लखनऊ (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर



तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो कर नहीं पाए, वे हमेशा बोलेंगे। जिन्होंने अपनी अकर्मण्यता और अक्षमता से उत्तर प्रदेश को बीमार बनाया, उनके निकम्मेपन और निठल्लेपन को यूपी और देश देख चुका है। ऐसे लोगों को आज यूपी पुलिस या प्रदेश की व्यवस्था पर बोलने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विपक्ष गिनता जाए, सरकार नियुक्तियां देती जाएगी। शनिवार को 818 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए, रविवार को 912 को दिए जा रहे हैं और अब 22 सितंबर को फिर नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। अगले छह महीने में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने के साथ प्रदेश में हर समाह एक बड़ा

भर्ती इवेंट होगा। मुख्यमंत्री योगी रविवार को लोक भवन में उत्तर

प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की लिपिक संवर्ग सीधी भर्ती-2023 के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पुलिस उपनिरीक्षक गोपनीय, पुलिस सहायक उपनिरीक्षक लिपिक और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक लेखा के पदों पर चयनित 912 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री योगी ने सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को यूपी पुलिस का हिस्सा बनने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब किसी योग्य अभ्यर्थी का चयन शुचितापूर्ण और पारदर्शी परीक्षा के माध्यम से होता है तो यह केवल उसके परिवार के लिए उपलब्धि नहीं होती, बल्कि शासन के प्रति आम आदमी के विश्वास का भी प्रतीक बनता है। 2017 से पहले भर्ती प्रक्रिया की

विसंगतियों के कारण नौजवानों में निराशा और हताशा थी। भाई-भतीजावाद ने पूरे सिस्टम को इस तरह जकड़ रखा था कि पारदर्शिता और शुचिता की कल्पना नहीं की जा सकती थी।

भर्ती का विज्ञापन आते ही युवाओं के मन में यह भाव आता था कि बिना सिफारिश और लेनदेन के चयन नहीं हो पाएगा। 2017 में सरकार बनने के बाद भर्ती प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सुधार किए गए। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लोक सेवा आयोग,

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और शिक्षा से जुड़ी भर्ती प्रक्रियाओं में बदलाव किया गया। समूह ग और घ की भर्ती से साक्षात्कार समाप्त किया गया, ताकि योग्य अभ्यर्थी को किसी स्तर पर भेदभाव का सामना न करना पड़े। 2017 के बाद भर्ती प्रक्रिया में किए गए बदलावों का परिणाम है कि साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश शासन में सेवा का अवसर मिला है। यूपी बीमारू राज्य की स्थिति से उभरा है और आज देश के उन राज्यों में है, जो खुद को रेवेन्यू सरप्लस कह

सकते हैं। नौ-साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हुई है। अब यूपी के नौजवानों और नागरिकों के सामने पहचान का संकट नहीं है। उपद्रवग्रस्त प्रदेश को उत्सवपूर्ण प्रदेश के रूप में बदला गया है।

उत्तर प्रदेश की छवि कर्पूर्युक्त और माफिया मुक्त प्रदेश के रूप में बनी है। कुंभ और महाकुंभ से लेकर पर्व-त्योहार, वीवीआईपी दौरे और स्थानीय आयोजन सकुशल संपन्न हो रहे हैं। इस बदलाव में यूपी पुलिस की बड़ी भूमिका है।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

इचिनोमिया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 में महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के राउंड ऑफ 16 में कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु और उन्नति हुड्डा के शुरुआती दो मैच सीधे गेम में जीतने के बाद, तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा को शिकस्त देकर जीत का सिलसिला पूरा किया।

मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा, जिसे पहले राउंड में बाय (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। इसे जीतने वाला देश सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ मेडल भी पक्का कर लेगा। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला 24 मिनट तक चला।

इसके बाद उन्नति हुड्डा ने एलिसा कुलेशोवा को 21-7, 21-10 से मात देकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह मुकाबला 22 मिनट में खत्म हुआ। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी ने डायना नामेनोवा को सिर्फ 19 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से शिकस्त देकर जीत पूरी की। क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ डे सिंगल्स मुकाबले हो सकते हैं, जिसमें पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से और उन्नति हुड्डा का सामना टोमोका मियाजकी से हो सकता है। वहीं, डबल्स में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला जापान की बेहतरीन जोड़ियों से हो सकता है, जिनमें युकी फुकुशिमा-मायु मात्सुमोतो और की नाकानिशी-सुजु इवाना शामिल हैं।

GSTIN: 09AYAPS6381C1ZA GOOD LNO: 22724870000055

+ उत्कर्ष +

हेल्थ केयर

📍 पता - H.No - 4/14 मो.मेमरान, नियर रेलवे स्टेशन, फर्रुखाबाद उ.प्र.

नोट | थोक व फुटकर आयुर्वेदिक दवाइयां उचित रेट पर मिलती हैं।

🏥 **प्रो. - डॉ. धर्मवीर सिंह**

मो. - 9450102265

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं तो विकास के दावे बेमानी



सरकारें बदलती हैं, योजनाएं बदलती हैं, बजट बढ़ते हैं, लेकिन एक सवाल आज भी व्यवस्था के सामने खड़ा है कृष्टाचार पर प्रभावी रोक कब लगेगी? देश और प्रदेश के विकास के लिए हर वर्ष बड़ी धनराशि खर्च की जाती है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ग्रामीण विकास और जनकल्याण की तमाम योजनाएं संचालित होती हैं। कागजों पर योजनाओं की तस्वीर अक्सर बेहतर दिखाई देती है, लेकिन सवाल तब उठता है जब वही योजना जमीन पर पहुंचती है। कहीं निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं, कहीं सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है और कहीं शिकायतों के बावजूद कार्रवाई लंबित रहती है। ऐसी परिस्थितियां केवल सरकारी धन के दुरुपयोग का विषय नहीं हैं, बल्कि व्यवस्था में जनता के विश्वास से भी जुड़ी हैं।

भ्रष्टाचार तब मजबूत होता है जब व्यवस्था में जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। यदि किसी काम में अनियमितता सामने आती है और जांच वर्षों तक चलती रहती है, तो कार्रवाई का डर कम हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि जांच प्रक्रिया समयबद्ध हो। दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई भी स्पष्ट और प्रभावी हो। साथ ही निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक कार्रवाई से बचाने के लिए निष्पक्ष जांच की व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है।

विकास का वास्तविक मूल्यांकन फाइलों में दर्ज आंकड़ों से नहीं, बल्कि जनता को मिलने वाली सुविधाओं से होना चाहिए। यदि सड़क बनी है तो उसकी गुणवत्ता कैसी है? यदि विद्यालय के लिए बजट आया है तो उसका उपयोग किस तरह हुआ? यदि किसी गरीब के लिए योजना बनी है तो उसका लाभ वास्तव में उसे मिला या नहीं? इन सवालों के जवाब जमीन पर मिलने चाहिए। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन टेंडर, सार्वजनिक सूचना, जियो-टैगिंग, सोशल ऑडिट और ऑनलाइन शिकायत निवारण जैसी व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार के अवसरों को कम करने में मदद कर सकती हैं। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ मानवीय निगरानी और जवाबदेही भी मजबूत हो। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल भाषणों और अभियानों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए व्यवस्था के हर स्तर पर पारदर्शिता और जिम्मेदारी जरूरी है।

लोकतंत्र में जनता केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि व्यवस्था की निगरानी करने वाली महत्वपूर्ण शक्ति भी है। सरकारी धन जनता का धन है। इसलिए जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके क्षेत्र में कितना बजट आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। जब नागरिक सवाल पूछेंगे, दस्तावेज मांगेंगे और अनियमितता होने पर उचित मंच पर शिकायत करेंगे, तब जवाबदेही का दबाव बढ़ेगा।

विकास की रफ्तार तभी सार्थक होगी जब विकास के लिए जारी धन का अधिकतम लाभ जनता तक पहुंचे। भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए कठोरता के साथ-साथ निष्पक्षता, पारदर्शिता और समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, जनता की अपेक्षा एक ही है कृष्टरकारी धन का ईमानदारी से उपयोग हो और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। आज सबसे बड़ा सवाल यही है जब भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आए तो कार्रवाई कितनी जल्दी होती है? और जब कार्रवाई होती है, तो क्या जिम्मेदारी वास्तव में तय होती है? इन सवालों के जवाब ही तय करेंगे कि विकास केवल आंकड़ों और कागजों तक सीमित है या वास्तव में जमीन पर दिखाई दे रहा है।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

ललित गर्ग

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। 21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है- 'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है। दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति

के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी। इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और

सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेर्रेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा। सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें।

सांक्षिप्त

नागेन्द्र सिकरवार बने एटा भाजपा के जिला प्रभारी

एटा, दस्तक चाणक्य, सोनू यादव: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नागेन्द्र सिकरवार को एटा का जिला प्रभारी बनाया है। प्रदेश अध्यक्ष ने ब्रज क्षेत्र के 19 जिला प्रभारियों की सूची जारी की है, जिसमें एटा के लिए नागेन्द्र सिकरवार का नाम शामिल है। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। नागेन्द्र सिकरवार ने 8 साल की उम्र में संघ ज्वाइन किया था। 15 साल की उम्र में वे विद्यार्थी परिषद से जुड़े। 1994 में वे विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री और 12 जिलों के संगठन मंत्री रहे। इसके बाद वे आरएसएस में वापस लौटे और 1998 से 2001 तक मथुरा के नगर कार्यवाह रहे। 2008 तक वे आगरा विभाग के विभाग बौद्धिक प्रमुख रहे। 2008 से 2016 तक उन्होंने भाजपा में जिला महामंत्री के रूप में काम किया। 2017 में उन्हें मथुरा का जिलाध्यक्ष बनाया गया, जहां वे 2020 तक इस पद पर रहे। 2020 से 2026 तक उन्होंने ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी संभाली। वे 2020 से 2023 तक जिला प्रभारी भी रहे। नागेन्द्र सिकरवार ने एमए और एलएलएम आगरा से किया है। इस दौरान नागेन्द्र सिकरवार ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसे वे पूरी मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने 2027 के चुनाव में सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा का परचम लहराने का भरोसा दिलाया।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले को 7 साल की सजा

मैनपुरी, दस्तक चाणक्य, सतेंद्र शाक्य: जिले की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग से छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने आरोपी को सात साल की जेल और 1.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला कुरां थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, कुरां थाने में 3 फरवरी 2025 को इंद्रजीत नाम के शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इंद्रजीत बहादुरपुर का रहने वाला है। उस पर आरोप था कि उसने शिकायतकर्ता की नाबालिग भतीजी के साथ छेड़छाड़ की। जब लड़की ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उसका गला दबाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 109(1), 351(3) और पॉक्सो एक्ट की धारा 78 के तहत कार्रवाई की थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान मेडिकल रिपोर्ट, पीड़िता की गवाही और जांच अधिकारी द्वारा इकट्ठा किए गए सबूतों को अहम माना गया। विशेष पॉक्सो कोर्ट मैनपुरी ने सुनवाई के बाद आरोपी इंद्रजीत को दोषी ठहराया। उसे सात साल की जेल और 1 लाख 60 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। इस मामले में सरकारी वकील की तरफसे कोर्ट मॉनिटरिंग सेल, अभियोजन कार्यालय और जांच से जुड़े पुलिस अधिकारियों ने पैरवी की।

प्रशांत श्रीवास्तव सदर प्रतापगढ़ अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 में युवा प्रकोष्ठ में राष्ट्रीय सचिव मनोनीत लखनऊ, दस्तक चाणक्य, डेस्क: प्रतापगढ़ सदर निवासी प्रशांत श्रीवास्तव समाज सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 युवा प्रकोष्ठ में रविकांत श्रीवास्तव राष्ट्रीय महासचिव संगठन की प्रबल अनुशांसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश श्रीवास्तव जी राष्ट्रीय महासचिव, राजेश कुमार श्रीवास्तव बच्चा भैया एडवोकेट की संस्तुति पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 के युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चित्रांश पवन भास्कर जी के द्वारा युवा प्रकोष्ठ में राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया है। प्रशांत श्रीवास्तव मूलतः करौंदी अमेठी के निवासी हैं। वर्तमान समय में सदर प्रतापगढ़ में रहते हुए सिविल सेवा की तैयारी कर रहे हैं। प्रशांत जी की शिक्षा एमएससी मैथ्स समाज सेवा में अत्यधिक रुचि होने के कारण रक्तदान को ज्यादा महत्व देते हैं। प्रशांत श्रीवास्तव का कहना है हमारे युवा साथी राष्ट्रीय सोच के साथ आगे आए और भारत के सर्वांगीण विकास के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलें। हमारे संगठन के साथी किसी भी प्रकार के सहयोग के लिए 638842 3335 पर कॉल करके सहयोग ले सकते हैं जल्दही पूरे भारतवर्ष में संगठन का विस्तार जोरो से किया जाएगा।

एटा में फर्जी मेडिकल कॉलेज का भंडाफोड़

एटा, दस्तक चाणक्य, सोनू यादव: पिछले चार साल से चल रहा बीएस मेडिकल कॉलेज फर्जी था। हर वर्ष सैकड़ों छात्र-छात्राओं का प्रवेश कराकर फर्जी मार्कशीट दी जाती रहीं। 16 सितंबर को प्रबंधक ने लेनदारों से बचने के लिए अपहरण की फर्जी कहानी रची। पुलिस की जांच में फर्जीवाड़ा सामने आ गया। पुलिस ने प्रबंधक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपित रिटायर्ड सीएमओ का बेटा भी है। मारहरा कस्बे में 2022 से बीएस मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहा था। 16 सितंबर शाम चार बजे रामसेवक ने पुलिस को सूचना दी कि उनके भाई और कॉलेज के प्रबंधक सतेंद्र कुमार को कार सवार लोग

अगवा करके ले गए हैं। आरोपितों ने दो लाख रुपये की फिर्ती मांगी है। पुलिस ने घेराबंदी की, लेकिन सतेंद्र और आरोपितों का कुछ पता नहीं चला। सतेंद्र की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की। एसपी श्वेताभ पांडेय ने बताया कि उसी रात सतेंद्र कुमार को आगरा से सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछताछ में उसके बयान सदिग्ध लगे। पुलिस ने सतेंद्र के चार साथियों गौरव अग्रवाल, भगवानदास, नरेंद्र और मोहम्मद शरीफ कुरैशी को भी गिरफ्तार किया। इन चारों की गिरफ्तारी से फर्जी कॉलेज की पोल खुल गई। लेनदारों से बचने के लिए इन चारों के साथ मिलकर सतेंद्र ने अपहरण की झूठी कहानी रची थी।

गौरव अग्रवाल सेवानिवृत्त सीएमओ का बेटा है। एसपी ने बताया कि छात्र-छात्राओं को बीएएमएस, डीफर्मा, बीफर्मा, बीएससी नर्सिंग, डीएमएलटी, बीएमएलटी, बीएएमएस, जीएनएम और एएनएम जैसे पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा रहा था। कॉलेज में फर्जी अटेंडेंस शीट, आइकार्ड और प्रचार सामग्री मिली है। प्रचार सामग्री पर यूनिवर्सिटी लिखा था। मोटी फीस लेकर डिग्री और मार्कशीट दी जा रही थीं। पुलिस के अनुसार कुछ छात्रों को बाद में पता चला कि उनके दस्तावेज फर्जी हैं। फीस वापस करने के बढ़ते दबाव से बचने के लिए प्रबंधक ने अपहरण की फर्जी कहानी रची, लेकिन वह अपने ही जाल में फंस गया।

मैनपुरी क्रिश्चियन मैदान में आयोजित “संविधान सम्मान जनहित हुंकार रैली” को पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने संबोधित किया

मैनपुरी, दस्तक चाणक्य, अभिषेक शाक्य: शहर के क्रिश्चियन मैदान में अपनी जनता पार्टी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पार्टी प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं

पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के मंच पर अपनी जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री सतेंद्र कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अवधेश शाक्य, डॉ.

मौर्य ने अपने संबोधन में पार्टी के संगठन और विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी बात रखी। वहीं कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने वक्ताओं को सुना। मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की काफी संख्या दिखाई दी। कार्यक्रम स्थल पर मंच को बैनर और पोस्टरों से सजाया गया था। पार्टी पदाधिकारियों के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी चर्चा का विषय रही। जनता पार्टी के इस आयोजन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे। कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन की गतिविधियों को लेकर भी अपनी बात रखी।



और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान पार्टी

बालक राम शाक्य तथा सतेंद्र सिंह शाक्य समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। स्वामी प्रसाद



हिन्दुस्तान मोटर्स

मल्टी ब्रांड वॉस कार सर्विस

• कार रिपेयरिंग

• स्पेअर पार्ट्स

• डेंटिंग व पेंटिंग

• अलायमेंट व बैलन्सिंग

• इन्शुरन्स कार रिपेयरिंग

• कार फोम वॉशिंग

• रबींग व पालीशिंग

• कार माडीफाईंग

- सभी बॉमा कंपनी की कॅशलेस व्यवस्था
- पूर्णतः अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित वर्कशॉप
- उच्च तकनीकी से युक्त मैकेनिक मैन फॉवर
- पुरानी कार की खरीद-बिक्री का विश्वसनीय स्थान





पता : निकट राधा स्वामी सतसंग व्यास, नेशनल हाईवे - 34 (जी.टी. रोड) मोगांव, जनपद - मैनपुरी (उ.प्र.) - 205262

Contact No.: 7017993343, 9927774422 (Workshop)

संक्षिप्त

आर्य समाज मनाएगा 125वां भव्य वार्षिकोत्सव आर्य जगत के उच्च कोटि के विद्वान देंगे मानवता सत्य और परोपकार का संदेश

लखीमपुर, दस्तक चाणक्य, अनुज गुप्ता: गोला गोकर्णनाथ जिला लखीमपुर खीरी का 125वां भव्य वार्षिकोत्सव 26 सितंबर से 28 सितंबर 2026 तक बड़े ही हर्षोल्लास के साथ खुटार रोड स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें आर्य जगत के उच्च कोटि के विद्वान मनीषी एवं विचारक पधार रहे हैं। आर्य समाज का वार्षिक उत्सव महर्षि दयानंद सरस्वती जी द्वारा स्थापित वेदों के प्रचार-प्रसार, सामाजिक सुधार और आत्मिक शुद्धि के लिए हर साल देश और दुनिया भर की स्थानीय आर्य समाज संस्थाओं द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख सांस्कृतिक व आध्यात्मिक कार्यक्रम है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने वेदों के सत्य ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का महान कार्य किया और समाज को अंधविश्वास आज्ञा भेदभाव तथा कुरीतियों से मुक्त होने का संदेश दिया। वार्षिकोत्सव में महर्षि दयानंद का भारत की स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान, वैदिक धर्म तथा संस्कृति रक्षा में योगदान, समाज सुधार, कुरीति व पाखण्ड तथा अंधविश्वास निवारण आन्दोलन तथा आध्यात्मिक जागरण हेतु चलाए गए आन्दोलन आदि पर प्रकाश डाला जाएगा। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ 26 सितंबर 2026 दिन शनिवार को प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा एवं 28 सितंबर 2026 दिन सोमवार को यज्ञ, उपदेश व भजनोपदेश सहित शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। इस अवसर पर आर्य जगत के उच्च कोटि के विद्वान श्री शिव कुमार शास्त्री-महोपदेशक (सहारनपुर), श्री भानु प्रकाश शास्त्री-भजनोपदेशक (बरेली), सन्त कुमार आर्य-भजनोपदेशक (शाहजहांपुर) के द्वारा मार्ग दर्शन किया जाएगा। अतः आप सभी से अनुरोध है कि इस अवसर पर सपरिवार व इष्ट मित्रों सहित पधार कर उत्सव की शोभा बढ़ाएं एवं अपने जीवन को सफल बनाएं।

सर्वधर्म समभाव से सर्व समाज की सेवा ही निष्पक्ष मीडियाका उद्देश्य

लखनऊ, दस्तक चाणक्य, डेस्क: जयप्रकाश श्रीवास्तव राष्ट्रीय अध्यक्ष निष्पक्ष मीडिया फाउंडेशन की अपील है कि सर्व धर्म सर्व समाज की सेवा करते रहें, समाज सेवा सबसे बड़ा धर्म है। किसी की जीवन रक्षा के लिए आपके द्वारा दिया गया रक्तदान पूरे परिवार नहीं समाज की उस कड़ी को बचाता है जो कभी आगे चलकर विशेष जिम्मेदारी निभाता है। हर जीव, हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है, पशु पक्षियों पर दया करें, कुछ ना कुछ खाने-पीने को जरूर दें, अपने बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें, माता-पिता हमारे जिंदा भगवान वह भाग्यशाली जिनके पास मां है, वह सौभाग्यशाली जिनके पास मां और पिता दोनों हैं, अपने-अपने माता-पिता अपने-अपने बड़े बुजुर्गों की सदैव सेवा करें। आज के समय में जीवन का कोई भरोसा नहीं किस मोड़ पर शाम हो जाए। क्षणभंगुर जीवन के लिए किस बात की अकड़ आए। संकल्प ले जितना हो सकेगा तन मन धन से समाज सेवा करेंगे। हालांकि समाज सेवा एक कठिन डगर है हम सबके सारे कष्ट तो नहीं दूर कर सकते किंतु ईमानदारी से भागीरथी प्रयास तो कर सकते हैं निष्पक्ष मीडिया के सर्व समाज की सेवा भावना को देखते हुए लोगों का जुड़ना जारी है। इसी कड़ी में अयोध्या जनपद सौम्या श्रीवास्तव को सुमन श्रीवास्तव की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा अयोध्या, अनुज सिंह के प्रबल अनुशंसा पर सर्वेश को राजेपुर फर्रुखाबाद ब्लॉक का ब्लॉक अध्यक्ष, दशरथ खरे मंडल अध्यक्ष सागर के अनुशंसा पर दीपक तिवार को जिला उपाध्यक्ष बना बनाया गया है। इसके साथ ही जिला अध्यक्ष रायबरेली अरविंद श्रीवास्तव के प्रबल अनुशंसा पर सुशील कुमार को ब्लॉक अध्यक्ष हरचंदपुर बनाया गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं बधाई देते हुए इन सब के सफलतम कार्यकाल की कामना की है। निष्पक्ष मीडिया फाउंडेशन ने अपना हेल्पलाइन नंबर जारी किया है मोबाइल नंबर 63884 23 335 किसी भी समय फोन करके अदालत के मैटर को छोड़कर सहयोग प्राप्त कर सकते हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम एसपी व विधायक ने सुनीं समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

लखीमपुर, दस्तक चाणक्य, अनुज गुप्ता: जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील मोहम्मदी में जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग एवं विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, की अध्यक्षता में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को एक-एक कर सुनते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय से

योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का भी प्राथमिकता

जांच करें और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। तहसील मोहम्मदी में कुल 60 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें



के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर शिकायत की वास्तविक स्थिति की

से 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को पृष्ठांकित करते हुए एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 438 शिकायतें, 65 का मौके पर निस्तारण

सीतापुर, दस्तक चाणक्य, ज्ञानेंद्र मौयः जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की सभी सात तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील महोली में विधायक शशांक त्रिवेदी, जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर.

दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय से योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने आईजीआरएस पोर्टल पर

अधिकारी मौके पर पहुंचकर शिकायत की वास्तविक स्थिति की जांच करें और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। तहसील महोली में कुल 126 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 17 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इसी प्रकार तहसील सिधौली में 71 में से 05, सदर तहसील में 50 में से 07, मिश्रख तहसील में 38 में से 13, महमूदाबाद में 26 में से 07, लहरपुर में 42 में से 05 तथा बिसवां तहसील में प्राप्त 85 शिकायतों में से 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस प्रकार जनपद की सातों तहसीलों में कुल 438 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 65 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को पृष्ठांकित करते हुए एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर संबंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को एक-एक कर सुनते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

प्राप्त शिकायतों का भी प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित

22 सितंबर को पूरे भारत में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा आरके सिन्हा का जन्मदिन: राजेश

लखनऊ, दस्तक चाणक्य, डेस्क: संगत पंगत संगठन भारत के संस्थापक अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी के फाउंडर मेंबर अखिलभारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत के संरक्षक, एस आई एस सुरक्षा ग्रुप के चेयरमैन श्री आर के सिन्हा बाबूजी जी के 22 सितम्बर 2026 को जन्मदिन पर संगत पंगत संगठन एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत संगठन द्वारा पूरे देश में जन्मदिन पर मंदिरों में दर्शन पूजन उनके दीर्घायु होने के लिए किया जाएगा। विदित हो कि हर साल देहरादून में बाबूजी के जन्मदिन पर संगत पंगत संगठन कार्यक्रम होता था इधर पिछले वर्ष बाबूजी के अस्वस्थ होने के कारण सिंगापुर में इलाज होने के कारण देहरादून संगत पंगत स्थगित है। बाबू जी सिंगापुर से भारत आ गए हैं और स्वास्थ्य लाभ के अंतर्गत आराम कर रहे हैं जल्दी ही जब मुलाकात करेंगे सूचना दी जाएगी। बाबू जी आर के सिन्हा बाबूजी पूर्व सांसद जी को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं बधाई देते हुए कहा है बाबू जी दीर्घायु हो यही कामना है भगवान चित्रगुप्त भगवान जी से पुनः जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं बधाई बाबू जी। उक्त आशय की जानकारी राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट राष्ट्रीय महासचिव संगत पंगत संगठन भारत एवं राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत ने देशवासियों से अपील किया है बाबूजी का जन्मदिन अपने अपने जिलों में धूमधाम से मनाएं।

संक्षिप्त

यूपीआई भुगतान पर 0.04 प्रतिशत एमडीआर से फर्खाबाद का व्यापारी असमंजस में

फर्खाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह: यूपीआई से व्यापारियों को भुगतान करने पर 0.04 प्रतिशत एमडीआर (मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट) लगाए जाने की चर्चा के बाद व्यापारी वर्ग में असमंजस है। फ्लिहाल इसका असर कारोबार पर दिखाई नहीं दे रहा है। अधिकांश व्यापारी यूपीआई से लेनदेन बंद करने के पक्ष में नहीं हैं। उनका कहना है कि लोगों की सुविधा और व्यापारिक जरूरतों को देखते हुए कोई बीच का रास्ता निकाला जाना चाहिए। यदि शुल्क लागू होता है तो कारोबार प्रभावित होने के साथ नकदी के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल सकता है। एमडीआर लगाए जाने की पूरी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं होने से असमंजस बना हुआ है। 15 अक्टूबर के बाद स्थिति स्पष्ट होने पर व्यापारी आगे की रणनीति तय करने की बात कह रहे हैं। लिंगीगंज के किराना व्यापारी बृजेश गुप्ता ने कहा कि व्यापारी पहले से महंगाई और जीएसटी की तकनीकी दिक्कों से परेशान हैं। अब यूपीआई भुगतान पर 0.04 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाता है तो इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ेगा। हालांकि अभी यूपीआई लेनदेन बंद करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सराफ व्यापारी गोपाल रस्तोगी ने बताया कि सोने-चांदी की कीमतें बढ़ने से पहले ही कारोबार में मंदी है। ऐसे में यूपीआई से लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लगने से व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। इससे छोटे-बड़े सभी कारोबार प्रभावित हो सकते हैं। तो वहीं पेट्रोलियम कारोबारी प्रांशु दुबे ने बताया कि उनके कारोबार में 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर पांच रुपये शुल्क लगाए जाने की बात कही गई है। इससे तय सीमा से अधिक यूपीआई भुगतान लेने में परेशानी हो सकती है। आपात स्थिति में लोग पेट्रोल पंप से नकद धनराशि ले लेते थे, लेकिन शुल्क और नियम लागू होने पर यह सुविधा भी प्रभावित हो सकती है।

फर्खाबाद में दिव्यांगों को मिलेंगे मुफ्त कृत्रिम उपकरण

फर्खाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह: फर्खाबाद शहर में 22 सितंबर से तीन दिवसीय निःशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में जयपुर से विशेषज्ञ डॉक्टर आएंगे और दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण दिए जाएंगे। यह शिविर फर्खाबाद के एनएकेपी डिग्री कॉलेज के सामने आयोजित होगा। साध समाज के लोगों ने रविवार को दोपहर दो बजे प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। यह आयोजन एसएन साध ट्रस्ट और स्वर्गीय डॉ. रजनी सरिन की प्रेरणा से हो रहा है। तैयारी बैठक में राकेश साध ने बताया कि शिविर 22 से 24 सितंबर तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य 'नर सेवा नारायण सेवा' है। ट्रस्ट के चमकेश साध, अमर साध, उदयपाल, रोहित और छोटे इस सेवा कार्य में सक्रिय रूप से जुड़े हैं। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुबोध वर्मा और नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. शिखर सक्सेना, सुजीत और रोहित का विशेष सहयोग रहेगा। दिव्यांगजनों को शिविर में अपना आधार कार्ड और दिव्यांग प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी लानी होगी। जिन दिव्यांगों का चयन होगा, उन्हें कृत्रिम पैर, पोलियो ग्रस्त लोगों को कैलीपर और बैसाखी जैसे उपकरण मुफ्त दिए जाएंगे। कटे हुए हाथ वाले दिव्यांगों के लिए कृत्रिम हाथ भी उपलब्ध होंगे।

डंपर ने मजदूर को कुचला, मौत

लखनऊ (यूएनएस)। तेलीबाग चौराहे पर रविवार सुबह मजदूरी के लिए खड़े एक मजदूर को नगर निगम के डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर भाग निकला। कुछ दूरी पर डंपर छोड़कर वह फरार हो गया। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उसके दाहिने हाथ पर विमलेश नाम गुदा हुआ मिला है। पुलिस इसी के आधार पर उसकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे शनि मंदिर, तेलीबाग चौराहे के पास मजदूर मजदूरी के लिए खड़े थे। इसी दौरान नगर निगम लखनऊ के डंपर (यूपी 35 टी 2143) ने एक मजदूर को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को 112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक मजदूर की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर ट्रामा सेंटर की मोर्चरी में भेजा। तलाशी के दौरान मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिला।

उप्र आदर्श व्यापार मंडल, लखनऊ नगर कार्यकारिणी कमेटी का हुआ चुनाव

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल से जुड़ी हुई 160 बाजारों के अध्यक्ष, महामंत्री एवं अन्य पदाधिकारीगणों ने ग्यारह सदस्यीय चुनाव प्रभारी कमेटी के सदस्यों की देखरेख में लखनऊ नगर कार्यकारिणी कमेटी के पदाधिकारियों का प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता की उपस्थिति में एक बड़ी बैठक में सर्वसम्मति से चुनाव किया। लखनऊ नगर कार्यकारिणी कमेटी चुनाव में व्यापारी नेता हरजिंदर सिंह को नगर अध्यक्ष, राजीव शुक्ला, संजय त्रिवेदी, संजीव जैन, अमित अग्रवाल, आशीष गुप्ता (अंशुल), राजन मिश्रा, मोहित कपूर, नरेश अग्रवाल, विजय साई कपूर, अखिल ग़ोवर, आशीष कुमार गुप्त को नगर महामंत्री एवं मनीष जैन को कोषाध्यक्ष चुना गया। लखनऊ नगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पर डॉ साकेत चतुर्वेदी, श्याम सुंदर अग्रवाल, अमित दीक्षित, गौरव गुप्ता, उत्कर्ष अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अशोक भाटिया आनंद रस्तोगी राजवीर सिंह, मसीह उज्जमा गांधी, संजय कुमार गुप्ता, रिजवान हैदर नकवी, विनीत कोहली, सर्वेश मिश्रा, अजहर अहमद खान, मोहम्मद उस्मान, राजशेखर सिंह, सुनील कुमार सच्चर, मोहम्मद फुकान, गुर चरण सिंह राजा, गुरमीत सिंह सलूजा, संजय गुप्ता, रमाकांत सिंह, गिरीश गुप्तानी, संदीप अग्रवाल, मोहम्मद नासिर, राजा मनजीत सिंह, जितेंद्र चौरसिया रज्जू जी रोहित जायसवाल, मनीष भार्गव, संजय जैन, विवेक श्रीवास्तव, गोपाल जालान, पवन अग्रवाल, अंशु श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र साहू मुक्ती, अरुण राय, शिवचंद्र गुप्ता, राजीव सतीजा

दिनेश शर्मा, इमरान अहमद अंसारी, उमेश सनवाल, सर्वेश अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, राजेश चौधरी, मोहम्मद शोएब, बलदेव लाटी, संचित गर्ग, हिमांशु गुप्ता, अभिषेक जैन, मनोज त्रिपाठी, अवधेश गुप्ता, धर्मेन्द्र तिवारी, क्षितिज अवस्थी, ज्ञान प्रकाश सिंह, सुमित सिंह कमल अग्रवाल, मोहम्मद

त्रिपाठी, आशीष राठी, बेटू, अनूप उपाध्याय, राजीव गुप्ता, गुरप्रीत सिंह सचदेवा, हर्ष पाल सिंह, जितेंद्र टंडन, संजय अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनमोहन अग्रवाल, चेतन, धीरज शुक्ला, राजू रस्तोगी, राजेश गुप्ता, विकी दलयाणी, राजेश कुमार राय, सुमित नंदा, मुकेश आहुजा, पंकज



आरिफ मनमोहन सिंह मोनी, संदीप अग्रवाल, मिथिलेश सिंह, प्रकाश चौरसिया रनजीत सिंह, मोहम्मद रिजवान अंसारी चुने गए उपाध्यक्ष, अरविंद श्रीवास्तव, ओम सिंह पटेल, विष्णु अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, विजय, अनुज गुप्ता, यश गोयल, राजवीर सिंह, अंकुर अग्रवाल, अमित सिंघल, धर्मेन्द्र गुप्ता, सलीम अहमद, दीपक खुराना, राशिद कुरैशी विवेक रस्तोगी, अमित अवस्थी, मसूद राजा जैदी, निलेश सोनकर, सुनील अरोड़ा, अजय प्रताप सिंह, सुनील अग्रवाल, अनूप छबड़ा, संजय अग्रवाल, महेश सावलानी, राजीव रमन, सुदर्शन कटियार, प्रवीण मिश्रा, कुलबीर सिंह सोढी, विजय माहेश्वरी, राघवेंद्र चौधरी, गुरबीर सिंह नारंग, अभय अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, निपुण भंडारी, मोहित अग्रवाल, संतोष चौधरी, दिनेश जैन, गौतम सिंह, सौरभ

महाजन, धीरेंद्र कुमार सिंह, पीयूष, राधे, जितेंद्र कुमार गुप्ता, अरविंद अग्रवाल, शरद अग्रवाल, विकास अग्रवाल गोविंद अग्रवाल, विपुल अग्रवाल, गोपाल गुप्ता, हेमंत प्रताप सिंह, दुबे जी, शरद श्रीवास्तव, राज यादव, दीपक गर्ग, पुष्पेंद्र सिंह गौर, प्रदीप गुलाटी, शतवत वीर सिंह, जसवीर सिंह, मनप्रीत सिंह, सुरजीत सिंह बग्गा, सौरभ गर्ग, मुकेश खन्ना आईपीएस राठौड़ ऋषिकांत वर्मा, मोहम्मद बिलाल, हिमांशु रस्तोगी, निखिल विशानानी, अभय उपाध्याय, राजू जायसवाल, क्रांति गुप्ता, प्रदम दीक्षित, राजेश भाई, राजाराम, तिनका गुप्ता चुने गए वरिष्ठ संगठन मंत्री के पद पर- ज्ञानेंद्र उपाध्याय, महेश गुप्ता, मोहम्मद आदिल, संजय कुमार गुप्ता, ईश्वर चंद्र, अमित गुरनानी, आर के चट्टा राजेंद्र सिंह आदि चुने गए।

गणेश चतुर्थी के 7वें दिन बड़ी संख्या में लोगों ने मूर्ति विसर्जन किया

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में रविवार को भी बप्पा की प्रतिमाओं की विदाई हुई। गणेश चतुर्थी के 7वें दिन बड़ी संख्या में लोगों ने मूर्ति विसर्जन किया। गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका और चौक स्थित गऊ घाट पर भक्तों की भारी भीड़ दिखी। ढोल-नगाड़े के साथ प्रसाद वितरण करते हुए मूर्ति को फूल-मालाओं से सजाए हुए लोगों के झुंड पहुंचता रहा। सबसे विशेष मराठी समाज का विसर्जन रहा। चौक में मराठी समाज की ओर से स्थापित की गई गणेश प्रतिमा का भव्य विसर्जन हुआ। चौक स्टेडियम से चरक चौराहा, कोनेश्वर मंदिर और रूमी गेट से होते हुए कुड़िया घाट तक

शोभायात्रा निकाली गई। बप्पा चार घोड़ों वाले रथ पर सवार थे, भक्त झूम रहे थे। शोभायात्रा में विशेष रूप से मराठी समाज के लोग शामिल हुए। मराठी गानों पर महिलाएं और पुरुष सभी झूमते गाते हुए पूरे रास्ते श्रगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आशु के जयकारे लगा रहे थे। मूर्ति विसर्जन के बाद व्यापारियों ने कहा कि इस शोभायात्रा के बाद घंटों होश नहीं रहता। बप्पा आते हैं तो धनधान्य से भरकर जाते हैं। उत्तर प्रदेश मराठी समाज के अध्यक्ष उमेश कुमार पाटिल ने बताया कि 41 सालों से लगातार बप्पा की मूर्ति स्थापित कर रहे हैं। मूर्ति विशेष रूप से महाराष्ट्र से मंगवाई जाती है। उन्होंने

बताया कि शोभायात्रा को भव्य और खास बनाने के लिए महाराष्ट्र से विशेष 65 कलाकार आए हैं जो अपने अद्भुत अंदाज ढोल बजाकर प्रस्तुति दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि 7 दिनों के लिए बप्पा को स्थापित करते हैं। ये 7 दिन बहुत खास होते हैं। जब तक बप्पा विराजमान रहते हैं हम लोग दुकान नहीं जाते, व्यापार पर ध्यान नहीं देते। मगर फिर भी बप्पा की कृपा होती है और इन 7 दिनों में पूरे साल का सबसे अच्छा व्यापार होता है। अभी हम लोग ढोल-नगाड़े पर नाचते और गाते हुए बप्पा को विसर्जित करने जा रहे हैं। मगर मूर्ति विसर्जन के बाद तीन-चार घंटे तक हम लोगों को होश नहीं रहता।

रंगदारी मांगने में सजायाफ्ता अपराधी समेत तीन गिरफ्तार

उरई। जमीन की खरीद-फरोख्त के नाम पर लोगों से रुपये ऐंठने और विरोध करने पर झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने सजायाफ्ता अपराधी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना पहले मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में करीब 10 साल की सजा काट चुका है और उसके खिलाफ जिले के अलग-अलग थानों में 16 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके साथ उसकी पुत्री को भी पकड़ा है। गिरोह के दो अन्य बदमाश अभी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक उमाशंकर राजपूत से रंगदारी मांगने के मामले में कोतवाली उरई में मुकदमा दर्ज था। इसी मामले में पुलिस ने गांधी नगर निवासी महेंद्र कुमार वर्मा उर्फ महेंद्र सिंघानिया, बघौरा निवासी शंकर कुशवाहा और उसकी 21 वर्षीय बेटी पूजा कुशवाहा को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि महेंद्र

ने पूजा, शंकर, यशपाल उर्फ बब्बू और शकील उर्फ रेहान के साथ मिलकर गिरोह बना रखा था।

लोगों से रुपये वसूलता था। पुलिस के अनुसार रुपये देने से इन्कार करने या विरोध करने वालों को

की धमकी दी जाती थी। पुलिस के मुताबिक महेंद्र के खिलाफ उरई, कालपी, जालौन और एट

प्रयास, शस्त्र अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में 15 पुराने मुकदमे दर्ज हैं। इनमें कई मामले वर्ष 1999 से 2008 के बीच के हैं। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में वह करीब 10 साल की सजा काट चुका है। वर्तमान में वह हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर था। महेंद्र के खिलाफ वर्ष 2026 में शस्त्र अधिनियम और रंगदारी से संबंधित मुकदमा भी दर्ज है। शंकर और पूजा के खिलाफ पुलिस ने फिलहाल इसी रंगदारी के मुकदमे का उल्लेख किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह में शामिल यशपाल उर्फ बब्बू और शकील उर्फ रेहान अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य मामलों और जमीन के विवादों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। कोतवाल आनंद सिंह का कहना है कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।



गिरोह फर्जी तरीके से जमीनों की खरीद-फरोख्त कराने के नाम पर

रंगदारी, दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य मामलों में फंसाने

थानों में मादक पदार्थ, धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज, हत्या के

युवक ने फांसी लगाकर जान दी

उरई/जालौन (यूएनएस)। जालौन में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना सिरसाकलार थाना क्षेत्र के निपनिया गांव की है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। निपनिया गांव निवासी 24 वर्षीय रामचंद शनिवार को घर में हुए विवाद के बाद खेत की ओर चला गया था। इसी दौरान उसने खेत में गमछे का फंदा लगाकर जान दे दी। काफी देर तक रामचंद के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता हुई। खोजबीन करते हुए परिजन खेत पहुंचे तो रामचंद फंदे पर लटका मिला। यह देखकर उनके होश उड़ गए। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिरसाकलार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के भाई अरविंद ने बताया कि रामचंद फसल खराब होने को लेकर काफी परेशान था। वहीं, सिरसाकलार थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण कुमार ने बताया कि घर में हुए विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाई।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, कार के परखच्चे उड़े

बाँदा (यूएनएस)। बाँदा के पलरा गांव के पास देर रात एक तेज रफ्तार कार और ट्रक में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। यह हादसा इतना तेज था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह टूट गया। टक्कर के बाद काली कार का बोनट खुल गया। उसका इंजन बाहर निकल आया और आगे का पूरा हिस्सा टूटकर सड़क पर बिखर गया। कार के शीशे भी टूट गए। मौके पर एक ट्रक भी खड़ा था, जिसके अगले हिस्से पर भी टक्कर के निशान थे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अच्छी बात यह रही कि कार में बैठे लोगों की जान बच गई, हालांकि उन्हें चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क काफी भीड़भाड़ वाली रहती है और तेज रफ्तार के कारण यहां कई बार हादसे होते रहते हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रूट्टे हुए वाहनों को सड़क से हटवाया और ट्रैफिक को फिर से शुरू करवाया।

आरक्षण में संशोधन समेत तीन मांगों को लेकर सवर्ण स्वाभिमान मंच का गठन

ग्रेटर नोएडा (यूएनएस)। आरक्षण व्यवस्था में संशोधन, यूजीसी के नए प्रावधानों को वापस लेने और एससी-एसटी एक्ट में कानूनी सुधार की मांग को लेकर रविवार को ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में सवर्ण समाज के प्रबुद्ध लोगो की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इससे पहले हुए बैठक के बारे में जानकारी दी गई। इसमें इन मुद्दों को लेकर आंदोलन चलाने के लिए सवर्ण स्वाभिमान मंच के गठन का निर्णय लिया गया। कपिल शर्मा एडवोकेट को मंच का संयोजक चुना गया। जानकारी दी गयी बैठक की अध्यक्षता वैश्य समाज के वरिष्ठ नेता मनोज गोयल ने की और संचालन प्रमोद शर्मा एडवोकेट ने किया।

बैठक में आरक्षण का आधार आर्थिक एवं वास्तविक वंचितता को बनाने, यूजीसी के नए प्रावधानों को वापस लेने तथा एससी-एसटी एक्ट में आवश्यक कानूनी सुधार किए जाने को लेकर चर्चा हुई। मंच की ओर से कहा गया कि वह आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करने की मांग नहीं करता, बल्कि व्यवस्था में संशोधन कर इसका आधार जाति के

बजाय आर्थिक एवं वास्तविक वंचितता की स्थिति को बनाए जाने के पक्ष में है। इसी तरह एससी-एसटी एक्ट के तहत वास्तविक पीड़ितों को मिलने वाले कानूनी संरक्षण का विरोध नहीं किया जाएगा। मंच की मांग है कि कानून के कथित दुरुपयोग को रोकने और निर्दोष लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानूनी प्रावधान और संतुलित प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। बैठक में तय किया गया कि पहले चरण में गौतमबुद्धनगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों और प्रबुद्ध नागरिकों से संपर्क किया जाएगा। इसके बाद अभियान को जिले से बाहर विस्तार देने और संबंधित विषयों की संवैधानिक एवं कानूनी स्थिति को लेकर जनसंवाद चलाने की योजना है। मंच में किसी भी जाति अथवा समाज से आने वाले उन लोगों को जोड़ने की बात कही गई, जो इन मांगों से सहमत हों। बैठक में विस्फोटार से जानकारी देते हुए एडवोकेट कपिल शर्मा ने बताया कि उनके कपिल शर्मा एडवोकेट द्वारा 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर सूरजपुर स्थित

जिला मुख्यालय पर शांतिपूर्ण आंदोलन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। आंदोलन में जिलेभर से लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम आरक्षण में संशोधन, यूजीसी रोलबैक तथा एससी-एसटी एक्ट में कानूनी सुधार की मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा।

त्यागी समाज के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता ब्रजेश त्यागी ने कहा कि आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए मंच के सदस्य जिलेभर में संपर्क अभियान चलाएंगे। वहीं क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ नेता पवन रावल ने उपस्थित लोगों को संकल्प दिलाया कि मंच संवाद, संगठन और संवैधानिक तरीके से अपनी मांगों को आगे बढ़ाएगा। बैठक में सुधीर वत्स, जितेंद्र अग्रवाल, संजय शर्मा एडवोकेट, परमानंद कौशिक एडवोकेट, मोहित गर्ग एडवोकेट, विवेक रावल, सचिन शर्मा एडवोकेट, प्रमोद त्यागी, गुलशन शर्मा एडवोकेट और वरनिल त्यागी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राहुल की झूठ की गूंज समाज में भ्रम फैला रही: योगी

नोएडा (यूएनएस)। नोएडा में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में प्रेरणा विमर्श कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- भारत के उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी ने कल एक दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य दिया था। हम लोगों को शोभा नहीं देता कि उसका खंडन करें। लेकिन, उनके वक्तव्य भारत की परंपरा, संस्कृति के लिए सचमुच डरावने थे। भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया। उन्होंने भारत की सनातन परंपरा को कोसने, भारत की हिंदू परंपरा को अपमानित करने का वक्तव्य दिया। आतंकवाद से जोड़ने के कुत्सित प्रयास किए। कांग्रेस पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा- कांग्रेस के युवराज (राहुल) ने भी कल अपने झूठ की गूंज में जिस तरह का आचरण किया वो नारी का अपमान है। कोई भी सज्जन व्यक्ति अगर किसी रास्ते पर जा रहा, रास्ता संकरा है तो वो किसी बुजुर्ग या महिला को पहले रास्ता देता है। यही हमारा संस्कार है। ये मार्ग से भटकते हुए लोग हैं। समाज में भ्रम की स्थिति पैदा करके अराजकता करना इनका एक मात्र लक्ष्य हो गया है। सीएम योगी रविवार को दोपहर साढ़े तीन बजे को गौतमबुद्धनगर पहुंचे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में प्रेरणा विमर्श कार्यक्रम में शामिल हुए।

दो लाख के लिए चालक ने लोकेशन भेज की थी मुखबिरी, पांच गिरफ्तार, कारोबारी से हुई थी 4.31 लाख की लूट

कानपुर। बीते 17 सितंबर को कार सवार कारोबारी से 4.31 लाख की लूट हुई थी। पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए। सात आरोपी अभी भी फरार हैं। तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। शिवराजपुर हाईवे पर बीते 17 सितंबर को बकरा व्यापारी आबिद से हुई 4.31 लाख रुपये की लूट की वारदात उन्हीं के चालक आसिफ इदरीसी की मुखबिरी पर अंजाम दी गई। चालक को दो लाख रुपये का लालच दिया गया था। साजिश के तहत आसिफ ने व्यापारी को साथ लेकर निकलते ही बदमाशों को मोबाइल पर लोकेशन भेज दी। शिवराजपुर अंडरपास के पास पहुंचते ही काली रंग की एक्सयूवी सवार 10 बदमाशों ने डंडा लेकर कार रुकने का इशारा किया। आसिफ ने तुरंत कार रोक दी। धमकाते हुए व्यापारी से 4.32 लाख रुपये से भरा बैग लूटकर भाग निकले थे। रविवार को पुलिस ने चालक सहित पांच लुटेरों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया। पुलिस ने मैनावती मार्ग पर घेरेबंदी कर बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान चौबेपुर

कस्बा के दर्जियाना मोहल्ला निवासी आसिफ इदरीसी, बिठूर के मॉडल डेरी सोसाइटी निवासी शिवम कुमार



उर्फ मॉडल, बगदौदी बांगर निवासी मयंक सैनी उर्फ ऋषि, उसका रिश्तेदार आयुष सैनी, चौबेपुर गुन्नुपुरवा निवासी अनुज यादव के रूप में हुई। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार, 1.19 लाख रुपये, तीन लकड़ी के और एक प्लास्टिक का डंडा बरामद किया। कार मयंक की है जो उसकी मां प्रीति सैनी के नाम पर रजिस्टर्ड है। सात आरोपी अभी

भी फरार हैं। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि आसिफ दो साल से व्यापारी आबिद

की कार चला रहा था। आबिद और उसके परिजन प्रत्येक बृहस्पतिवार भोर पहर हरदोई की बाजार करने जाते हैं। आबिद के घर के पास ही मोहम्मद साहिल रहता है जो आसिफ का दोस्त है। उसने आसिफ के साथ मिलकर आबिद को लूटने की साजिश रची। लूट सफल रहने पर आसिफ को दो लाख रुपये देने की बात कही गई। हालांकि, साहिल

पहचाने जाने के डर से कांड में खुद शामिल नहीं हुआ। उसने चौबेपुर कस्बा के ब्रह्मनगर निवासी सक्षम

ठाकुर को शामिल कर कार और लड़के जुटाने को कहा। सक्षम ने मयंक सैनी उर्फ ऋषि से अपनी एक्सयूवी-500 कार लाने को कहा। इसके बाद अन्य लड़कों को शामिल कर वारदात को अंजाम दिया। डीसीपी के मुताबिक लूटकांड के मुख्य आरोपी साहिल, सक्षम और आसिफ हैं। साहिल पहले भी आसिफ से अपने मालिक को लुटवाने के

लिए कह चुका था तब उसने इन्कार कर दिया था। वारदात से 10 दिन पहले दो लाख मिलने की बात पर वह राजी हो गया। बदमाशों ने लूट की एक सप्ताह तक रिहर्सल की। यही कारण है कि वारदात के बाद कैमरों की नजर से बचने के लिए हाईवे छोड़कर खैरेश्वर मंदिर अंडर पास होते हुए बिठूर-मैनावती मार्ग वाया बैराज से होते हुए काकादेव पहुंचे। सभी आपस में रुपयों का बंटवारा कर अलग हो गए। खैरेश्वर मंदिर के पास रास्ते में एक कैमरे में कार कैद हुई थी। वहीं, बीटीएस डंप कराने पर कई कॉमन नंबर भी मिले। इसके बाद लूट का खुलासा हो गया। पुलिस के मुताबिक लूट की रकम से सभी ने पहले जमकर शराब पार्टी की। कुछ स्या में मसाज कराने गए। इसके बाद रुपये आपस में बांट लिए। पुलिस को मयंक के पास से 46 हजार, आयुष से 40 हजार, अनुज यादव से 30 हजार और शिवम के पास से 3500 रुपये बरामद हुए। पुलिस सक्षम ठाकुर, मोहम्मद साहिल, अंश तिवारी उर्फ बॉबी, सोनू पाल, शशांक पंडित उर्फ छोटे पंडित, शोभित यादव उर्फ डोडे, बड़े पंडित की तलाश में है।

जनपद के लाल ने बढ़ाया मान, मेहनत लाई रंग

कस्टम इंस्पेक्टर बने अक्षत मिश्रा

कानपुर देहात (यूएनएस)। राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र सत्ता एक्सप्रेस परिवार की खुशिया उस वक्त और भी बढ़ गई जब समाचार पत्र के रूरा कस्बा वरिष्ठ संवाददाता ओम स्वरूप मिश्रा के बड़े पुत्र होनहार अक्षत मिश्रा का चयन कस्टम इंस्पेक्टर के पद पर हो गया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। परिजनों और क्षेत्र के लोगों ने अक्षत मिश्रा को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अक्षत मिश्रा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा रूरा कस्बा से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की। कठिन परिश्रम, लगन और निरंतर तैयारी के बाद उन्होंने कस्टम इंस्पेक्टर के पद पर चयनित होकर परिवार का नाम रोशन किया। वरिष्ठ संवाददाता ओम स्वरूप मिश्रा ने बताया कि उनके तीन पुत्रों में अक्षत सबसे बड़े हैं। दूसरे पुत्र मयंक मिश्रा भारत मंडपम में एप्लिकेशन असिस्टेंट ध्वजूनियर मैनेजर के पद

पर कार्यरत हैं। जबकि सबसे छोटे पुत्र यश मिश्रा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। अक्षत मिश्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को देते हुए कहा कि पिता ने कठिन परिस्थितियों और संघर्ष के बावजूद तीनों बेटों को बेहतर शिक्षा दिलाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। वहीं मां ने भी हमेशा पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित किया। माता-पिता के सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से ही वह अपने लक्ष्य को हासिल कर सके। ज्ञात हो कि कस्बे सहित जनपद की अन्य तहसीलों के विभिन्न कस्बों, गांवों में एक अलग नाम हासिल करने वाले धार्मिक वैवाहिक सामाजिक आयोजनों में ओम साउंड सर्विस के माध्यम से सेवाएं देने के साथ-साथ सत्ता एक्सप्रेस पत्र में पत्रकारिता के क्षेत्र में भी काफी पहले से सक्रिय हैं। बेटे की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है। शुभचिंतकों ने कहा कि अक्षत मिश्रा की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है।

आगामी 22 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा बुढ़वा मंगल महोत्सव, तैयारियां जोरों पर

पनकी कानपुर (यूएनएस)। पनकी में सनातन आस्था का प्रबल प्रतीक प्राचीन पंचमुखी हनुमान जी का मंदिर जो कि उत्तर प्रदेश का एक एकमात्र प्रसिद्ध हनुमान मंदिर, जहां अपने प्रभु हनुमान जी के दर्शन के लिए पूरे भारत देश से लोग यहां पर बुढ़वा मंगल के दिन श्री हनुमान जी के दर्शन करने आते हैं। प्रशासन को उक्त आयोजन में पहले से ही पूरी तैयारियां करनी पड़ती है। यहां तक कि रेलवे को भी बुढ़वा मंगल के दिन कई रेलगाड़ियों का अतिरिक्त स्टॉपेज तक देना पड़ता है। वैसे भी यहाँ साल भर हनुमान जी के दर्शन करने के लिए भी लोग बड़ी तादात में आते हैं। पर एक विशेष दिन, भादो मास का आखिरी मंगल जो बुढ़वा मंगल के नाम से जाना जाता है। इससे जुड़ी अनेक हिंदू पौराणिक तथा लोकमंगल के अनुसार कथाएं भी कही जाती हैं। इस दिन श्री हनुमान जी ने भीम को दर्शन दिए थे और उनका घमंड दूर किया था। इसी प्रकार अनेक कहानी प्रचलन में हैं। वहीं पनकी क्षेत्र में यह मंदिर पनकी कटरा गांव में स्थित है जो कि कई वर्ष प्राचीन मंदिर है। ऐसी मान्यता है

कि यहां पर हनुमान जी के भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण होती है और सारे संकट हनुमान जी दूर करते हैं। यहां पर कुछ दूर पर अति प्राचीन कछुआ दादू तालाब स्थित है। वहां भी भगवान भोलेनाथ का नागेश्वर महादेव के नाम से मंदिर है और मंदिर के ठीक सामने तालाब है। जिसमें 300 वर्ष से अधिक पुराने कछुआ और बड़ी बड़ी मछली तालाब में निवास करते हैं। प्रशासन द्वारा इसे रमणीक स्थल के रूप में विकसित किया है। लोग यहां भी दर्शन करने आते हैं और कछुआ और मछली को भोग लगाते हैं। इसी के कुछ दूर पर स्थित है नया हनुमान मंदिर, जिसको कहा जाता है कि बाबा नीम करोली महाराज जी के आशीर्वाद से इस मंदिर की स्थापना की गई थी।

बताते हैं कि महाराज जी यहां पर आए थे और इस मंदिर की स्थापना की और यहां पर भी लोग दर्शन करने के लिए हनुमान जी पास आते हैं। यहां पर दर्शन करने की एक खास बात यह है कि यहां पर जो दर्शन करते हैं उनकी कष्ट करने के साथ-साथ जो उनके शरीर में रोग और बीमारियां होती हैं उन बीमारियों को भी हनुमान

जी दूर करते हैं। वहीं पर इस महोत्सव में काफी संख्या में लोग हर वर्ष आते हैं। पनकी पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत कृष्ण दासजी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार सभी बुढ़वा मंगल महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। आगामी 22 सितंबर को रात्रि 1 बजे मंगला आरती के बाद भक्तों के दर्शन के लिए पट खोल दिए जाएंगे। गेट नंबर 1 से भक्तों का प्रवेश होगा। वही पीछे वाले गेट से दर्शन करने के बाद निकास रहेगा। ज्ञात हो कि पनकी पनकी हनुमान मंदिर में बुढ़वा मंगल महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है। मंदिर के आस पास चारों तरफ सैकड़ों की संख्या में विशाल भंडारे का आयोजन भी होते हैं और मेला भी लगता है। मेले में झूले भी बच्चों के लिए लग चुके हैं। पनकी के हनुमान मंदिर का बुढ़वा मंगल महोत्सव सुरक्षा व्यवस्था के साथ मनाया जाएगा। महंत जितेंद्र दास एवं कृष्णदास ने भक्तों से निवेदन किया है कि बगैर किसी धक्का मुक्की के शांतिपूर्वक लाइन में लगकर श्री हनुमान जी के दर्शन करते हुए अपने घर की ओर सुरक्षित प्रस्थान करें।

फर्रुखाबाद में बौद्ध विहार के पर्यटन विकास कार्यों को रफ्तार



फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य , धर्मबीर सिंह: जिले में पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास की दिशा में एक नई शुरुआत हुई है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने फर्रुखाबाद के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल राजेपुर टप्पा मंडल स्थित बौद्ध विहार के विकास के लिए 109.30 लाख रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत की है। इन विकास कार्यों का जिम्मा उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को सौंपा गया है। बता दें कि शुक्रवार को विधायक नागेन्द्र सिंह राठौर ने

बौद्ध विहार पर विधि-विधानपूर्वक भूमि पूजन कर परियोजना के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पृथ्वी माता को तिलक अक्षत और माला चढ़ाकर भोग प्रसाद बांट। इस परियोजना के अंतर्गत गेटवे, मल्टीपर्पज हॉल, टॉयलेट ब्लॉक, सोलर लाइट, टूरिस्ट बेंच, इंटरलॉकिंग, सहित विभिन्न विकास कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों के पूरा होने से बौद्ध विहार आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। क्षेत्र में धार्मिक एवं पर्यटन गतिविधियों को

बढ़ावा भी मिलेगा। इस अवसर पर जिला पर्यटन अधिकारी डॉ. मकबूल, सहायक अभियंता श्री निशांत शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी दी। विधायक ने इस महत्वपूर्ण पर्यटन विकास परियोजना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह का हार्दिक आभार और धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से जनपद में पर्यटन विकास को निरंतर गति मिल रही है।

फर्रुखाबाद में 22 साल पुराने जानलेवा हमले के मुकदमे में दो बरी

फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य , धर्मबीर सिंह: शमसाबाद के ललौर राजपूताना गांव में वर्ष 2004 के जानलेवा हमले के 22 साल पुराने मामले में अदालत ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। अपर सत्र न्यायाधीश अभिनितम उपाध्याय ने राजेंद्र सिंह उर्फ दुंदी और धर्मेन्द्र सिंह उर्फ मुन्ना को बरी किया। इसके साथ ही, न्यायाधीश ने वादी राजकुमार सिंह के खिलाफ कथित मिथ्या साक्ष्य देने के आरोप में कार्रवाई के आदेश दिए हैं। यह मामला 21 जून 2004 को राजकुमार सिंह की तहरीर पर शमसाबाद थाने में दर्ज हुआ था। प्राथमिकी में राजेंद्र सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, नरेंद्र सिंह और लल्ला सिंह पर जानलेवा हमले का आरोप था। विवाद राजकुमार सिंह के बड़े भाई रघुराज सिंह के मकान निर्माण के दौरान धक्का लगने से शुरू हुआ था। फर्रुखाबाद में धर्मेन्द्र उर्फ पंकज, शिमला देवी, रेनू और आरती घायल हुए थे। घायलों की मेडिकल जांच और एक्सरे रिपोर्ट भी अदालत में पेश की गईं। मुकदमे के दौरान लल्ला सिंह और नरेंद्र सिंह की मृत्यु हो गई, जिससे उनके खिलाफ कार्रवाई समाप्त हो गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि वादी

राजकुमार सिंह ने मुख्य बयान में चारों आरोपियों को घटना में शामिल बताया था। वहीं, जिरह के दौरान उन्होंने कहा कि राजेंद्र और धर्मेन्द्र ने न तो फर्रुखाबाद की और न गाली-गलौज की। वहीं, शिमला देवी, आरती, रेनू देवी और पंकज सिंह उर्फ धर्मेन्द्र ने घटना की पुष्टि तो की, लेकिन किसी आरोपी को फर्रुखाबाद करते देखने से इन्कार किया। अभियोजन के समर्थन में गवाही न देने पर इन्हें पक्षद्रोही घोषित किया गया। अदालत ने विवेचना में भी कई कमियां पाईं। किसी भी आरोपी से कोई हथियार बरामद नहीं किया गया था। लाइसेंस बंदूक की बरामदगी या लाइसेंस निरस्तीकरण का भी कोई ठोस प्रयास नहीं हुआ। इन परिस्थितियों के कारण अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका। न्यायालय ने वादी राजकुमार सिंह के खिलाफ मिथ्या साक्ष्य देने के अपराध का संज्ञान लिया है। अदालत ने इस संबंध में प्रकीर्णवाद दर्ज करने का आदेश दिया। राजकुमार सिंह को नोटिस जारी कर पूछा जाएगा कि न्यायालय में कथित मिथ्या साक्ष्य देने के लिए उन्हें क्यों न दंडित किया जाए।

गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ...

फर्रुखाबाद। गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ... जयकारों के साथ भजन कीर्तन, अबीर-गुलाल उड़ाते हुए बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाओं की विसर्जन यात्राएं निकाली गईं। पांचाल घाट पर गंगा किनारे देर शाम तक 100 से अधिक प्रतिमाओं का भूविसर्जन किया गया। रास्ते में फूलों की वर्षा होती रही। गजानन के रथों से सेवादार प्रसाद वितरित करते चल रहे थे। कई स्थानों पर विदाई के समय सात दिन से सेवा कर रही महिला भक्तों की आंखें भी नम हो गईं। शहर के रेलवे रोड, साहबगंज चौराहा, लोहाई रोड, बीबीगंज, रेलवे रोड आदि पर रखीं प्रतिमाओं की दिन पर विसर्जन यात्राएं निकलती रहीं। रविवार को बाजार बंद होने की वजह से कम भीड़भाड़ के चलते भक्तों को आवागमन में कोई दिक्कत नहीं हुई। शहर से सटे गांव आमिलपुर, खानपुर, चांदपुर, अमेठी कोहना आदि से भी प्रतिमाओं की यात्राएं धूमधाम से

पांचाल घाट पहुंची। पुलिस ने जेसीबी से पहले ही काफी गड्ढे करवा लिए थे। उसी में देर शाम

गणपति विसर्जन यात्राओं की धूम रही। अबीर गुलाल की धूम रही। प्रतिमाओं को कोई रिकशे पर

रामलीला ग्राउंड व गंगा रोड पर भक्तों की खासी भीड़ रही। ढोल-नगाड़ों पर लोग डांस करते चल रहे

स्थानों पर स्वागत और आरती उतारी। कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र स्वर्णकार, नरसिंह वर्मा, ब्रजेश दुबे, राजेश वर्मा, गोविंद वर्मा, भूरे पाल और विकास गुप्ता आदि मौजूद रहे। सुरक्षा में कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र मालिक पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

जिले के श्रीरंगेश्वर महादेव मंदिर स्थित गणेश पंडाल में प्रभु राम का राज्याभिषेक महोत्सव धूमधाम, श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से किया गया। प्रथम तिलक वशिष्ठ मुनि कीन्हा... चौपाई के साथ ही श्रीराम का विधि-विधान से राज्याभिषेक हुआ। इसके बाद आरती उतारी गई।

सीएमओ डॉ. आनंद उपाध्याय ने परिवार सहित दर्शन किए। इनके अलावा विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, उनकी पत्नी अनीता द्विवेदी, नवीन मिश्रा, गौरव मिश्रा (बंटी), राजेंद्र दीक्षित, नरेंद्र नाथ मिश्रा, प्रीति तिवारी, रंजना अरोड़ा, संजू भारद्वाज, वंदना शुक्ला आदि मौजूद रहे।



तक पूजन व विसर्जन का क्रम चलता रहा।

कपिल में गणेश महोत्सव के सातवें दिन अटैना गंगा घाट तक

लेकर जा रहा था तो कोई कार से घाट पर पहुंचा। गजानन के कान में मनौती मांगकर भक्तों ने प्रतिमाओं का भूविसर्जन किया।

अबीर गुलाल की धूम, डीजे की धुन पर महिला-पुरुष भक्तजन नाचते गाते चल रहे थे। कई स्थानों पर फूलों की वर्षा की गई। कई